



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दिन के जागरण	12.7.25	3	4-7

कम कृषि लागत वाली मशीनरी विकसित करें विज्ञानी

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की तरफ से संचालित तकनीकी कार्यक्रम की गत वर्ष 2024-25 की समीक्षा एवं वर्ष 2025-26 की रूपरेखा तैयार करने के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की जबकि अनुसंधान निदेशक डा. राजबीर गर्ग ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि वैज्ञानिकों को ऐसे

मशीनरी-उपकरण विकसित करने चाहिए जिससे किसानों की कृषि लागत को कम किया जा सके। विश्वविद्यालय का अनुसंधान तंत्र किसानों की आवश्यकताओं के अनुरूप कार्य कर रहा है ताकि प्रदेश एवं देश की कृषि समृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सके। उन्होंने आधुनिक तकनीकों के माध्यम से नवीनतम टेक्नोलॉजी पर आधारित कृषि उपकरण तैयार पर जोर दिया ताकि खेती-बाड़ी के कार्यों को आसान बनाया जा सके। उन्होंने कृषि उत्पादन बढ़ाने तथा लागत कम करने पर भी जोर दिया।

किसानों की आवश्यकताओं व समाधानों पर डाला प्रकाश

अनुसंधान निदेशक डा. राजबीर गर्ग ने क्षेत्रीय कृषि समस्याओं, अनुसंधान प्रयासों, तकनीकी नवाचारों एवं किसानों की आवश्यकताओं पर केंद्रित समाधानों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक ऐसी तकनीकों का विकास करें जो स्थानीय किसानों की आवश्यकताओं को स्टीक रूप से पूरा कर सके। विकसित की गई तकनीक का मैदानी स्तर पर प्रभावी प्रदर्शन किया जाना चाहिए ताकि उनकी प्रायोगिक उपयोगिता प्रमाणित हो सके। उन्होंने लघु एवं

सीमांत किसानों की आवश्यकताओं को मद्देनजर रखते हुए इंटर कल्चर आपरेशन के लिए बैटरी चालित, बहु-उपयोगी छोटे कृषि यंत्रों के विकास पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता जताई। डा. गर्ग ने फसल अवशेष प्रबंधन के दृष्टिगत पराली जलाने की समस्या को दूर करने के लिए यांत्रिक समाधानों जैसे हैप्पी सीडर, सुपर सीडर, सुपर स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम आदि के प्रभाव उनकी उपयोगिता तथा किसानों के बीच जागरूकता लाने के लिए कहा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	13.7.25	5	1-3

वैज्ञानिक ऐसी मशीनरी/उपकरण विकसित करें जिससे कृषि लागत को कम किया जा सके : प्रो. काम्बोज

हिसार, 11 जुलाई (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित तकनीकी कार्यक्रम की गत वर्ष 2024-25 की समीक्षा एवं वर्ष 2025-26 की रूपरेखा तैयार करने के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की जबकि अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि वैज्ञानिकों को ऐसे मशीनरी/उपकरण विकसित करने चाहिए जिससे किसानों की कृषि लागत को कम किया जा सके। विश्वविद्यालय का अनुसंधान तंत्र किसानों की आवश्यकताओं के अनुरूप कार्य कर रहा है ताकि प्रदेश एवं देश की कृषि समृद्धि में सहत्वपूर्ण योगदान दिया जा सके। उन्होंने आधुनिक तकनीकों के माध्यम से नवीनतम टेक्नोलॉजी पर आधारित कृषि उपकरण तैयार पर जोर दिया ताकि खेती-

बाड़ी के कार्यों को आसान बनाया जा सके। उन्होंने कृषि उत्पादन बढ़ाने तथा लागत कम करने पर भी जोर दिया। कुलपति ने कहा कि टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना, कृषि दक्षता में सुधार करना तथा मशीनरी एवं विद्युत संसाधनों का जिम्मेदारी से उपयोग सुनिश्चित करना बहुत जरूरी है। अनुसंधान

आवश्यकताओं को मद्देनजर रखते हुए इंटर कल्चर ऑपरेशन के लिए बैटरी चालित, बहु-उपयोगी छोटे कृषि यंत्रों के विकास पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता जताई। डॉ. गर्ग ने फसल अवशेष प्रबंधन के दृष्टिगत पराली जलाने की समस्या को दूर करने के लिए यांत्रिक समाधानों जैसे हैप्पी सीडर, सुपर सीडर, सुपर स्ट्रै

हकृति के फार्म मशीनरी व पावर इंजीनियरिंग विभाग की बैठक आयोजित

निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने क्षेत्रीय कृषि समस्याओं, अनुसंधान प्रयासों, तकनीकी नवाचारों एवं किसानों की आवश्यकताओं पर केंद्रित समाधानों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक ऐसी तकनीकों का विकास करें जो स्थानीय किसानों की आवश्यकताओं को स्टीक रूप से पूरा कर सके। विकसित की गई तकनीक का मैदानी स्तर पर प्रभावी प्रदर्शन किया जाना चाहिए ताकि उनकी प्रायोगिक उपयोगिता प्रमाणित हो सके। उन्होंने लघु एवं सीमांत किसानों की

मैनेजमेंट सिस्टम आदि के प्रभाव उनकी उपयोगिता तथा किसानों के बीच जागरूकता लाने के लिए कहा। बैठक के दौरान वैज्ञानिकों द्वारा वर्ष 2024-2025 में किए गए अनुसंधान कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम के समापन अवसर पर कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस के पाहुजा ने सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद किया। इस अवसर पर सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, अनुभाग प्रमुख तथा संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञ उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पञ्जाब केसरी	12-7-25	4	7-8

वैज्ञानिक ऐसी मशीनरी/उपकरण विकसित करें जिससे कृषि लागत को कम किया जा सके : प्रो. काम्बोज **हफ़्टी के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की बैठक आयोजित**

हिसार, 11 जुलाई (ब्यूरो) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित तकनीकी कार्यक्रम की गत वर्ष 2024-25 की समीक्षा एवं वर्ष 2025-26 की रूपरेखा तैयार करने के लिए बैठक आयोजित की गई। बैठक में कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की जबकि अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि वैज्ञानिकों को ऐसे मशीनरी/उपकरण विकसित करने चाहिए, जिससे किसानों की कृषि लागत को कम किया जा सके। विश्वविद्यालय का अनुसंधान तंत्र किसानों की आवश्यकताओं के अनुरूप कार्य कर रहा है ताकि प्रदेश एवं देश की कृषि समृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सके। उन्होंने आधुनिक तकनीकों के माध्यम से नवीनतम टेक्नोलॉजी पर आधारित कृषि उपकरण तैयार पर जोर दिया ताकि खेती-बाड़ी के कार्यों को आसान बनाया जा सके। उन्होंने कृषि उत्पादन बढ़ाने तथा लागत कम करने पर भी जोर दिया। कुलपति ने कहा कि टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना, कृषि दक्षता में सुधार करना तथा मशीनरी एवं विद्युत संसाधनों का जिम्मेदारी से उपयोग सुनिश्चित करना बहुत जरूरी है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उमर उजाला	12-7-25	2	1-2

वैज्ञानिक कृषि की लागत कम करने वाले उपकरण विकसित करें : प्रो. कांबोज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की ओर से संचालित तकनीकी कार्यक्रम की गत वर्ष 2024-25 की समीक्षा एवं वर्ष 2025-26 की रूपरेखा तैयार करने के लिए बैठक हुई।

बैठक में कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की जबकि अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कुलपति ने कहा कि वैज्ञानिकों को ऐसे उपकरण विकसित करने चाहिए जिससे किसानों की कृषि लागत को कम किया जा सके।

विश्वविद्यालय का अनुसंधान तंत्र किसानों की आवश्यकताओं के अनुरूप कार्य कर रहा है ताकि प्रदेश एवं देश की कृषि समृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सके। उन्होंने आधुनिक तकनीकों के माध्यम से नवीनतम टेक्नोलॉजी पर आधारित कृषि उपकरण तैयार करने पर जोर दिया ताकि खेती-बाड़ी के कार्यों को आसान बनाया जा सके।

उन्होंने कृषि उत्पादन बढ़ाने और लागत कम करने पर भी जोर दिया। टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना व मशीनरी एवं विद्युत संसाधनों का जिम्मेदारी से उपयोग सुनिश्चित करना जरूरी है। ब्यूरो



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	11.7.2025	--	--

वैज्ञानिक ऐसे उपकरण विकसित करें जिससे कृषि लागत को कम किया जा सके: प्रो. काम्बोज

नभ-छोर न्यूज ॥ 11 जुलाई

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित तकनीकी कार्यक्रम की गत वर्ष 2024-25 की समीक्षा एवं वर्ष 2025-26 की रूपरेखा तैयार करने के लिए एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की जबकि अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि वैज्ञानिकों को ऐसे मशीनरी/उपकरण विकसित करने चाहिए जिससे किसानों की कृषि लागत को कम किया जा सके। विश्वविद्यालय का अनुसंधान तंत्र किसानों की आवश्यकताओं के अनुरूप कार्य कर रहा है ताकि प्रदेश एवं देश की कृषि समृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सके। उन्होंने

आधुनिक तकनीकों के माध्यम से नवीनतम टेक्नोलॉजी पर आधारित कृषि उपकरण तैयार करने पर जोर दिया ताकि खेती-बाड़ी के कार्यों को आसान बनाया जा सके। उन्होंने कृषि उत्पादन बढ़ाने तथा लागत कम करने पर भी जोर दिया। कुलपति ने कहा कि टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना, कृषि दक्षता में सुधार करना तथा मशीनरी एवं विद्युत संसाधनों का जिम्मेदारी से उपयोग सुनिश्चित करना बहुत जरूरी है। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने क्षेत्रीय कृषि समस्याओं, अनुसंधान प्रयासों, तकनीकी नवाचारों एवं किसानों की आवश्यकताओं पर केंद्रित समाधानों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक ऐसी तकनीकों का विकास करें जो स्थानीय किसानों की आवश्यकताओं को सटीक रूप से पूरा कर सकें। विकसित की गई तकनीक का मैदानी स्तर पर प्रभावी प्रदर्शन किया जाना चाहिए ताकि उनकी

प्रायोगिक उपयोगिता प्रमाणित हो सके। उन्होंने लघु एवं सीमांत किसानों की आवश्यकताओं को मद्देनजर रखते हुए इंटर कल्चर ऑपरेशन के लिए बैटरी चालित, बहु-उपयोगी छोटे कृषि यंत्रों के विकास पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता जताई। डॉ. गर्ग ने फसल अवशेष प्रबंधन के दृष्टिगत पराली जलाने की समस्या को दूर करने के लिए यांत्रिक समाधानों जैसे हैप्पी सीडर, सुपर सीडर, सुपर स्ट्र मैनेजमेंट सिस्टम आदि के प्रभाव उनकी उपयोगिता तथा किसानों के बीच जागरूकता लाने के लिए कहा। बैठक के दौरान वैज्ञानिकों द्वारा वर्ष 2024-2025 में किए गए अनुसंधान कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम के समापन अवसर पर कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महा-विद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष	12.7.2025	--	--

वैज्ञानिक ऐसी मशीनरी/उपकरण विकसित करें जिससे कृषि लागत को कम किया जा सके : प्रो. बी.आर. काम्बोज हकृवि के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की बैठक आयोजित

-पाठकपक्ष न्यूज-

हिसार, 12 जुलाई : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित तकनीकी कार्यक्रम की गत वर्ष 2024-25 की समीक्षा एवं वर्ष 2025-26 की रूपरेखा तैयार करने के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकात की जबकि अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गान ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज

ने अपने सम्बोधन में कहा कि वैज्ञानिकों को ऐसे मशीनरी/उपकरण विकसित करने चाहिए जिससे किसानों की कृषि लागत को कम किया जा सके। विश्वविद्यालय का अनुसंधान तंत्र किसानों की आवश्यकताओं के अनुरूप कार्य कर रहा है ताकि प्रदेश एवं देश की कृषि समृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सके। उन्होंने आधुनिक तकनीकों के माध्यम से नवीनतम टेक्नोलॉजी पर आधारित कृषि उपकरण तैयार पर जोर दिया ताकि खेती-बाड़ी के कार्यों को आसान बनाया जा सके। उन्होंने कृषि उत्पादन बढ़ाने तथा लागत कम करने

पर भी जोर दिया। कुलपति ने कहा कि टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना, कृषि दक्षता में सुधार करना तथा मशीनरी एवं विद्युत संसाधनों का जिम्मेदारी से उपयोग सुनिश्चित करना बहुत जरूरी है।

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गान ने क्षेत्रीय कृषि समस्याओं, अनुसंधान प्रयासों, तकनीकी नवाचारों एवं किसानों की आवश्यकताओं पर केंद्रित समाधानों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक ऐसी तकनीकों का विकास करें जो स्थानीय किसानों की आवश्यकताओं को स्ट्रोक रूप से पुरा

कर सके। विकसित की गई तकनीक का मैशनी स्तर पर प्रभावी प्रदर्शन किया जाना चाहिए ताकि उनकी प्रायोगिक उपयोगिता प्रमाणित हो सके। उन्होंने लघु एवं सीमांत किसानों की आवश्यकताओं को मद्देनजर रखते हुए इंटर कल्चर ऑपरेशन के लिए बैटरी चालित, बहु-उपयोगी छोटे कृषि यंत्रों के विकास पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता जताई। डॉ. गान ने फसल अवशेष प्रबंधन के दृष्टिगत पराली जलाने की समस्या को दूर करने के लिए यांत्रिक समाधानों जैसे हैप्पी सोडर, सुपरसीडर, सुपर स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम आदि के प्रभाव

उनकी उपयोगिता तथा किसानों के बीच जागरूकता लाने के लिए कहा। बैठक के दौरान वैज्ञानिकों द्वारा वर्ष 2024-2025 में किए गए अनुसंधान कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम के समापन अवसर पर कृषि अभियंत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस के पाहुजा ने सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद किया। इस अवसर पर सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, अनुभाग प्रमुख तथा संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञ उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	13-7-25	3	7-8

हकृवि के विभिन्न कोर्सों में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा हुई संपन्न



भास्करन्यूज | हिसार

हकृवि में दूसरे चरण की प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न हुई। यह परीक्षा बीएससी चार वर्षीय कोर्स, बीएससी एग्रीकल्चर छः वर्षीय कोर्स व बीएससी कम्युनिटी साइंस चार वर्षीय कोर्स में दाखिले के लिए आयोजित की गई थी। विश्वविद्यालय की ओर से परीक्षा को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न करवाने के लिए पुख्ता प्रबंध किए गए थे। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने परीक्षा केंद्रों का दौरा करते हुए परीक्षार्थियों की सुविधा व परीक्षा के सुचारु संचालन के लिए की गई व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। इस परीक्षा के लिए विश्वविद्यालय सहित हिसार शहर में 10 परीक्षा केन्द्र बनाए गए थे। परीक्षा के सफल

आयोजन हेतु विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से विशेष निरीक्षण दलों का भी गठन किया गया था, जिन्होंने सभी केंद्रों पर जाकर निरीक्षण किया। परीक्षा के दौरान प्रत्येक उम्मीदवार की फोटोग्राफी भी की गई। कुलसचिव एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. पवन कुमार ने बताया उपरोक्त पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए कुल 4119 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था। सभी परीक्षा केंद्रों में कुल 3501 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। परीक्षार्थियों की 85 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई। उन्होंने उम्मीदवारों व उनके अभिभावकों से अपील की है कि वे उपरोक्त पाठ्यक्रमों में दाखिला संबंधी जानकारियों के लिए वेबसाइट admissions.hau.ac.in and hau.ac.in पर चेक करते रहें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उमर उजाला	13.7.25	4	1-4

एचएयू में दाखिले के लिए दूसरे चरण में 3,501 ने दी परीक्षा

85% रही उपस्थिति, कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने किया केंद्रों का दौरा

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दूसरे चरण की प्रवेश परीक्षा शनिवार को शांतिपूर्वक संपन्न हुई। यह परीक्षा बीएफएससी चार वर्षीय कोर्स, बीएससी एग्रीकल्चर छह वर्षीय कोर्स व बीएससी कम्युनिटी साइंस चार वर्षीय कोर्स में दाखिले के लिए 3501 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। करीब 85 प्रतिशत विद्यार्थियों की उपस्थिति रही।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने परीक्षा केंद्रों का दौरा करते हुए परीक्षार्थियों की सुविधा व परीक्षा के सुचारु संचालन के लिए की गई व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। इस परीक्षा के लिए विश्वविद्यालय सहित हिसार शहर में 10 केंद्र बनाए गए थे।

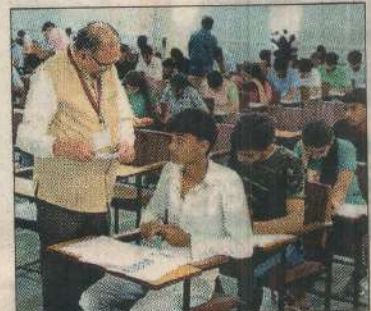
परीक्षा के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से विशेष निरीक्षण दलों का भी गठन किया गया था, जिन्होंने सभी केंद्रों पर जाकर निरीक्षण किया। परीक्षा के दौरान प्रत्येक उम्मीदवार की फोटोग्राफी भी की गई।

कुलसचिव एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. पवन कुमार ने बताया कि उपरोक्त



एचएयू के होम साइंस कॉलेज से परीक्षा देकर बाहर आते विद्यार्थी। संवाद

पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए 4119 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था। सभी परीक्षा केंद्रों में कुल 3501 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। इस परीक्षा में परीक्षार्थियों की 85 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई। उन्होंने उम्मीदवारों व उनके अभिभावकों से अपील की है कि वे उपरोक्त पाठ्यक्रमों में दाखिला संबंधी नवीनतम जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट admissions.hau.ac.in and hau.ac.in पर चेक करते रहें।



परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करते कुलपति प्रो. बीआर कांबोज। स्रोत : संस्थान



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पञ्जाब केसरी	13.7.25	4	5-6

हकृषि के विभिन्न कोर्सों में दाखिले के लिए दूसरे चरण की प्रवेश परीक्षा संपन्न



कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करते हुए।

85 प्रतिशत परीक्षार्थियों ने दी परीक्षा

हिसार, 12 जुलाई (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दूसरे चरण की प्रवेश परीक्षा संपन्न हुई। यह परीक्षा बी.एफ.एस.सी. चार वर्षीय कोर्स, बी.एस.सी.एग्रीकल्चर छः वर्षीय कोर्स व बीएससी कम्युनिटी साइंस चार वर्षीय कोर्स में दाखिले के लिए आयोजित की गई थी। विश्वविद्यालय की ओर से परीक्षा को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न करवाने के लिए पुख्ता प्रबंध किए गए थे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने परीक्षा केंद्रों का दौरा करते हुए परीक्षार्थियों की सुविधा व परीक्षा के सुचारु संचालन

के लिए की गई व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। इस परीक्षा के लिए विश्वविद्यालय सहित हिसार शहर में 10 परीक्षा केन्द्र बनाए गए थे। परीक्षा के सफल आयोजन हेतु विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से विशेष निरीक्षण दलों का भी गठन किया गया था, जिन्होंने सभी केन्द्रों पर जाकर निरीक्षण किया। परीक्षा के दौरान प्रत्येक उम्मीदवार की फोटोग्राफी भी की गई।

कुलसचिव एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. पवन कुमार ने बताया कि उपरोक्त पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए कुल 4119 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था। सभी परीक्षा केंद्रों में कुल 3501 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। इस परीक्षा में परीक्षार्थियों की 85 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

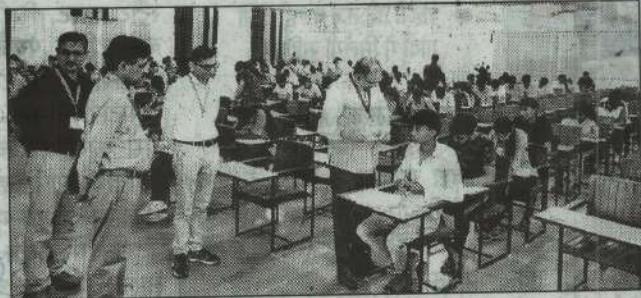
समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	13.7.25	11	3-5

4119 ने ऑनलाइन किया था आवेदन, 3501 ने दी परीक्षा

- हकूवि में दाखिले के लिए दूसरे चरण की प्रवेश परीक्षा संपन्न
- विश्वविद्यालय सहित हिसार शहर में 10 परीक्षा केन्द्र बनाए गए थे

हरिभूमि न्यूज >>> हिसार

हिसारहरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दूसरे चरण की प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न हुई। यह परीक्षा बीएफएससी चार वर्षीय कोर्स, बीएएससी एग्रीकल्चर छह वर्षीय कोर्स व बीएएससी कम्युनिटी साइंस चार वर्षीय कोर्स में दाखिले के लिए आयोजित की गई थी। विश्वविद्यालय की ओर से परीक्षा को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न करवाने के लिए पुख्ता



प्रबंध किए गए थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने शनिवार को परीक्षा केंद्रों का दौरा करते हुए परीक्षार्थियों की सुविधा व परीक्षा के सुचारु संचालन के लिए की गई व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। इस परीक्षा के लिए विश्वविद्यालय सहित हिसार शहर में

10 परीक्षा केन्द्र बनाए गए थे। परीक्षा के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से विशेष निरीक्षण दलों का भी गठन किया गया था, जिन्होंने सभी केंद्रों पर जाकर निरीक्षण किया। परीक्षा के दौरान प्रत्येक उम्मीदवार की फोटोग्राफी भी की गई।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अज्ञात समाचार	13.7.25	5	3-5

हकृवि के विभिन्न कोर्सों में दाखिले के लिए दूसरे चरण की प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्वक सम्पन्न

हिसार,
12 जुलाई
(विरेन्द्र
वर्मा):
चौधरी चरण
सिंह
हरियाणा
कृषि
विश्वविद्यालय
में दूसरे चरण
की प्रवेश



परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न हुई। यह परीक्षा बीएफएससी चार वर्षीय कोर्स, बीएएससी एग्रीकल्चर छः वर्षीय कोर्स व बीएएससी कम्युनिटी साइंस चार वर्षीय कोर्स में दाखिले के लिए आयोजित की गई थी। विश्वविद्यालय की ओर से परीक्षा को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न करवाने के लिए पुख्ता प्रबंध किए गए थे। विश्वविद्यालय के

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करते हुए।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने परीक्षा केंद्रों का दौरा करते हुए परीक्षार्थियों की सुविधा व परीक्षा के संचालन के

लिए की गई व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। इस परीक्षा के लिए विश्वविद्यालय सहित हिसार शहर में 10 परीक्षा केन्द्र बनाए गए थे। परीक्षा के सफल आयोजन हेतु विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से विशेष निरीक्षण दलों का भी गठन किया गया था, जिन्होंने सभी केंद्रों पर जाकर निरीक्षण किया। परीक्षा के

दौरान प्रत्येक उम्मीदवार की फोटोग्राफी भी की गई। कुलसचिव एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. पवन कुमार ने बताया कि उपरोक्त पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए कुल 4119 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था।

सभी परीक्षा केंद्रों में कुल 3501 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। इस परीक्षा में परीक्षार्थियों की 85 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई। उन्होंने उम्मीदवारों व उनके अभिभावकों से अपील की है कि वे उपरोक्त पाठ्यक्रमों में दाखिला संबंधी नवीनतम जानकारी के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.hau.ac.in पर अवश्य चेक करते रहें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	12.7.2025	--	--

हकृवि के विभिन्न कोर्सों में दाखिले के लिए दूसरे चरण की प्रवेश परीक्षा संपन्न

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दूसरे चरण की प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न हुई। यह परीक्षा बीएफएससी चार वर्षीय कोर्स, बीएससी एग्रीकल्चर छः वर्षीय कोर्स व बीएससी कम्युनिटी साइंस चार वर्षीय कोर्स में दाखिले के लिए आयोजित की गई थी।

विश्वविद्यालय की ओर से परीक्षा को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न करवाने के लिए पुख्ता प्रबंध किए गए थे। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने परीक्षा केंद्रों का दौरा करते हुए परीक्षार्थियों की सुविधा व परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए की गई व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। इस परीक्षा के लिए

विश्वविद्यालय सहित हिसार शहर में 10 परीक्षा केन्द्र बनाए गए थे। कुलसचिव एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. पवन कुमार ने बताया कि उपरोक्त पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए कुल 4119 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था। सभी परीक्षा केंद्रों में कुल 3501 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी।



एचएयू में प्रवेश परीक्षा के दौरान केंद्र में उपस्थित विद्यार्थी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	12.7.2025	--	--

हकृवि के विभिन्न कोर्सों में दाखिले के लिए दूसरे चरण की प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न



समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दूसरे चरण की प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न हुई। यह परीक्षा बीएफएससी चार वर्षीय कोर्स, बीएससी एग्रीकल्चर छह वर्षीय कोर्स व बीएससी कम्युनिटी साइंस चार वर्षीय कोर्स में दाखिले के लिए आयोजित की गई थी। विश्वविद्यालय की ओर से परीक्षा को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न करवाने के लिए पुख्ता प्रबंध किए गए थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने परीक्षा केंद्रों का दौरा करते हुए परीक्षार्थियों की सुविधा व परीक्षा के सुचारु संचालन के लिए की गई व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। इस परीक्षा के लिए विश्वविद्यालय सहित हिसार शहर में 10 परीक्षा केन्द्र बनाए गए थे। परीक्षा

के सफल आयोजन हेतु विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से विशेष निरीक्षण दलों का भी गठन किया गया था, जिन्होंने सभी केंद्रों पर जाकर निरीक्षण किया। परीक्षा के दौरान प्रत्येक उम्मीदवार की फोटोग्राफी भी की गई। कुलसचिव एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. पवन कुमार ने बताया कि उपरोक्त पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए कुल 4119 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था। सभी परीक्षा केंद्रों में कुल 3501 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। इस परीक्षा में परीक्षार्थियों की 85 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई। उन्होंने उम्मीदवारों व उनके अभिभावकों से अपील की है कि वे उपरोक्त पाठ्यक्रमों में दाखिला संबंधी नवीनतम जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अवश्य चेक करते रहें।